TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

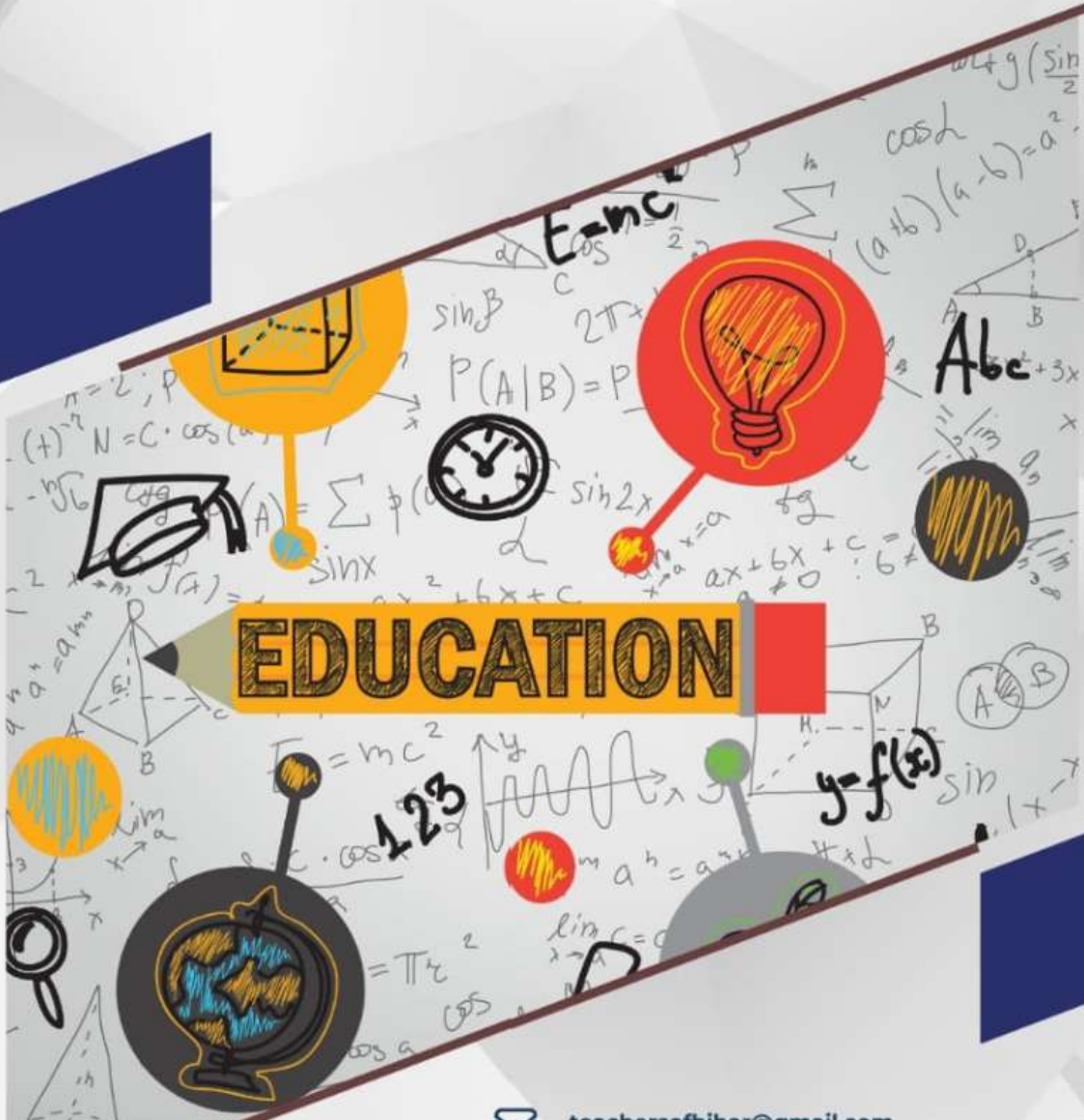

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

04 मार्च 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

लेखक के सम्प्रेषण में ईमानदारी है तो रचना सशक्त होगी, चाहे जिस विधा की हो।

फणीश्वरनाथ रेणु

(साहित्यकार)

जन्म: 04 मार्च 1921 मृत्यु : 11 अप्रैल 1977

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

4 मार्च 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

लघु सत्य के शब्द हमेशा स्पष्ट होते हैं,

महान सत्य मौन रहता है।

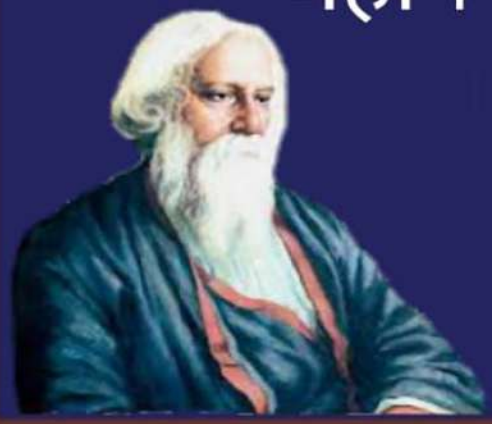

- रवीन्द्र नाथ टैगोर

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

04 मार्च

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, फाल्गुन माह, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार 04 मार्च 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

धैर्य, क्षमा, दम, चोरी न करना, पवित्रता, इन्द्रियों को वश में रखना, बुद्धि (विवेक), विद्या, सत्य, अक्रोध ये दस धर्म के लक्षण हैं।

– मनुस्मृति

आज के दिन

1784– कलकत्ता गजट का पहला अंक प्रकाशित हुआ। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी और प्राच्यविद् फ्रांसिस ग्लैडविन ने कलकत्ता गजट की स्थापना की थी।

1787– अमेरिकी संसद का सत्र पहली बार न्यूयार्क सिटी में हुआ और अमेरिकी संविधान प्रभावी हुआ।

1851– 4 मार्च को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की स्थापना सर थॉमस ओल्डहम ने की थी। यह भारत के खान मंत्रालय के अधीन एक सरकारी संगठन है।

1951– पहले एशियाई खेल 4–11 मार्च 1951 तक नई दिल्ली, भारत में आयोजित किए गए थे। खेलों का आधिकारिक उद्घाटन भारतीय राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में किया था।

1. **फणीश्वरनाथ रेणु का जन्म**– फणीश्वर नाथ रेणु का जन्म 4 मार्च, 1921ई. को पूर्णिया जिले के औराही–हिंगना गांव में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा–दीक्षा अररिया एवं फारबिसगंज में हुई। इन्होंने 1942 ई. के आंदोलन में सक्रियता से भाग लिया और जेल–यातना भी झेली। उन्होंने प्रथम उपन्यास 'मैला आँचल' से ही लोकप्रियता और श्रेष्ठता के शिखर पर पहुँच गए। साहित्य सेवा के लिए भारत सरकार द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उनकी उपन्यास 'मारे गए गुलफाम' पर 'तीसरी कसम' नामक फिल्म भी बनी। उनकी प्रमुख कहानियों में लाल पान की बेगम, ठेस, संवदिया आदि प्रमुख है।

   रेणु भी बचपन और किशोरावस्था में ही देश की आजादी की लड़ाई से जुड़ गए थे। 1930–31 ई. में जब रेणु 'अररिया हाईस्कूल' के चौथी कक्षा में पढ़ते थे तभी महात्मा गाँधी की गिरफ्तारी के बाद अररिया में हड़ताल हुई। स्कूल के सारे छात्र भी हड़ताल पर रहे। रेणु ने अपने स्कूल के असिस्टेंट हेडमास्टर को स्कूल में जाने से रोका। रेणु को इसकी सजा मिली लेकिन इसके साथ ही वे इलाके के 'बहादुर सुराजी' के रूप में प्रसिद्ध हो गए।

   - संदर्भ: **किसलय भाग 3 पाठ 7 ठेस,** तथा **साहित्य भारती भाग 2, पाठ 4 संवदिया** पाठ से जोड़कर बच्चों के साथ चर्चा करें।

2. **लाला हरदयाल का निधन**– 4 मार्च, 1939 ई. में फिलाडेल्फिया, पेनसिल्वेनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी और गदर पार्टी के संस्थापक लाला हरदयाल का निधन हुआ था। 1910 में लाला हरदयाल सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका) पहुंचे। वहां उन्होंने 'गदर' नामक पत्रिका निकाला। इसी के आधार पर पार्टी का नाम 'गदर पार्टी' रखा गया था। इस पत्रिका ने संसार का ध्यान भारत में अंग्रेजों के द्वारा किये जा रहे अत्याचार की ओर आकर्षित किया।

3. **राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस**– 4 मार्च, 1966 ई. को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (औद्योगिक संस्थानों की सुरक्षा) की स्थापना हुई थी। कार्य स्थलों को सुरक्षा बढ़ावा देने के लिए पूरे दे'ा में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है।

4. **रामनरेश त्रिपाठी का जन्म**– हिन्दी भाषा के 'पूर्व छायावादी युग' के कवि रामनरेश त्रिपाठी का जन्म 4 मार्च, 1889 ई. को उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर जिले के ग्राम कोइरीपुर में हुआ था। 'बा और बापू' उनके द्वारा लिखा गया हिन्दी का पहला एकांकी नाटक था। वर्ष 1920–21 में हिन्दी के प्रथम एवं सर्वोत्कृष्ट राष्ट्रीय खण्डकाव्य 'पथिक' की रचना की। इसके अतिरिक्त 'मिलन' और 'स्वप्न' भी उनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं। 'स्वप्नों के चित्र' उनका पहला कहानी संग्रह है। 'कविता कौमुदी' के सात विशाल एवं अनुपम संग्रह–ग्रंथों का भी उन्होंने बड़े परिश्रम से सम्पादन एवं प्रकाशन किया।

5. **यौन शोषण के खिलाफ लड़ाई का विश्व दिवस**– यौन शोषण के खिलाफ लड़ाई का विश्व दिवस प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और यौन शोषण के खिलाफ कार्रवाई को बढ़ावा देना है। यह कमजोर व्यक्तियों को यौन शोषण से बचाने तथा यौन दुर्व्यवहार के पीड़ितों को सहायता प्रदान करने का कार्य करता है। यौन शोषण के कृत्यों में यौन हमला, बाल यौन शोषण (सीएसई), दुर्व्यवहार, किसी भी संदर्भ में सेक्स की मांग करना या सहायता के लिए सेक्स को एक शर्त बनाना, किसी व्यक्ति को किसी के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करना, किसी व्यक्ति को वेश्यावृत्ति या पोर्नोग्राफी में शामिल होने के लिए मजबूर करना, यौन प्रकृति का अवांछित स्पर्श और सुरक्षित यौन व्यवहार का उपयोग करने से इनकार करना शामिल हो सकता है।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

4 मार्च

मधु प्रिया

फणीश्वरनाथ 'रेणु' का जन्म 4 मार्च

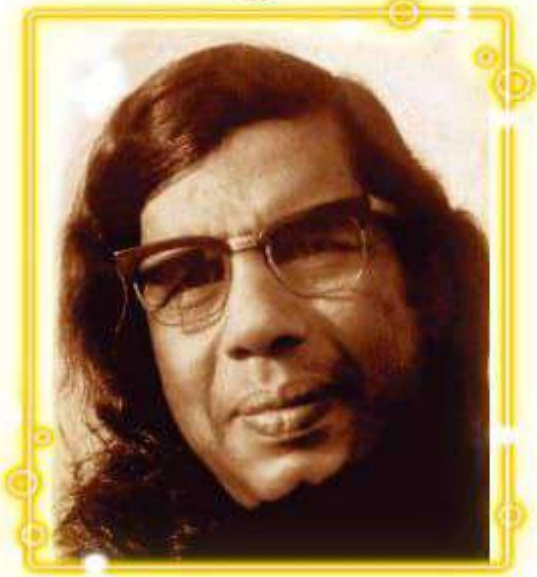

रेणु जी हिन्दी के प्रथम आंचलिक उपन्यासकार हैं। उन्होंने अंचल-विशेष को अपनी रचनाओं का आधार बनाकर वहाँ के जीवन और वातावरण का सजीव अंकन किया है। इनकी रचनाओं में आर्थिक अभाव तथा विवशताओं से जूझता समाज यथार्थ के धरातल पर उभर कर सामने आता है। फणीश्वर नाथ ' रेणु ' का जन्म 4 मार्च 1921 को बिहार के अररिया जिले में फॉरबिसगंज के पास औराही हिंगना गाँव में हुआ था। उस समय यह पूर्णिया जिले में था। उनकी शिक्षा भारत और नेपाल में हुई। रेणु जी का बिहार के कटिहार से गहरा संबंध रहा है। पहली शादी कटिहार जिले के हसनगंज प्रखंड अंतर्गत बलुआ ग्राम में काशी नाथ विश्वास की पुत्री रेखा रेणु से हुई , हसनगंज के ही गांव महमदिया ग्राम में पद्मा रेणु की मायके हैं और रेणु जी के दो और पुत्री सबसे बड़ी कविता रॉय और सबसे छोटी वहीदा रॉय की शादी महमदिया और कवैया गांव में हुई है। प्रारंभिक शिक्षा फारबिसगंज तथा अररिया में पूरी करने के बाद रेणु ने मैट्रिक नेपाल के विराटनगर के विराटनगर आदर्श विद्यालय से कोईराला परिवार में रहकर की। इन्होने इन्टरमीडिएट काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से 1942 में की जिसके बाद वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। बाद में 1950 में उन्होने नेपाली क्रांतिकारी आन्दोलन में भी हिस्सा लिया जिसके परिणामस्वरुप नेपाल में जनतंत्र की स्थापना हुई। पटना विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ छात्र संघर्ष समिति में सक्रिय रूप से भाग लिया और जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति में अहम भूमिका निभाई। 1952-53 के समय वे भीषण रूप से रोगग्रस्त रहे थे जिसके बाद लेखन की ओर उनका झुकाव हुआ। उनके इस काल की झलक उनकी कहानी तबे एकला चलो रे में मिलती है। उन्होने हिन्दी में आंचलिक कथा की नींव रखी। सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय, एक समकालीन कवि, उनके परम मित्र थे। इनकी कई रचनाओं में कटिहार के रेलवे स्टेशन का उल्लेख मिलता है।मैला आँचल फणीश्वरनाथ 'रेणु' का प्रतिनिधि उपन्यास है। यह हिन्दी का श्रेष्ठ और सशक्त आंचलिक उपन्यास है। नेपाल की सीमा से सटे उत्तर-पूर्वी बिहार के एक पिछड़े ग्रामीण अंचल को पृष्ठभूमि बनाकर रेणु ने इसमें वहाँ के जीवन का, जिससे वह स्वयं ही घनिष्ट रूप से जुड़े हुए थे, अत्यन्त जीवन्त और मुखर चित्रण किया है। फणीश्वर नाथ रेणु का निधन 11 अप्रैल 1977 को हुआ था।

जयंती विशेष 04 मार्च

सुप्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी

फणीश्वरनाथ रेणु

की जयंती पर शत्-शत् नमन

4 मार्च, 1921-11 अप्रैल, 1977

फणीश्वरनाथ रेणु Phanishwarnath 'Renu', जन्म: 4 मार्च, 1921 - मृत्यु: 11 अप्रैल, 1977) एक सुप्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार थे। हिन्दी कथा साहित्य के महत्त्वपूर्ण रचनाकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' का जन्म 4 मार्च 1921 को बिहार के पूर्णिया ज़िला के 'औराही हिंगना' गांव में हुआ था। रेणु के पिता शिलानाथ मंडल संपन्न व्यक्ति थे। भारत के स्वाधीनता संघर्ष में उन्होंने भाग लिया था। रेणु के पिता कांग्रेसी थे।

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

टेलुरियम(Tellurium)

संकेत (Symbol) - **Te**

परमाणु संख्या -52 (Atomic no.)

परमाणु भार -127.60 (A.weight)

समूह (group)-16

आवर्त (period)-5

ब्लाक (block)-p

संयोजकता (valancy)-4

समस्थानिक (isotope)-8

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Kr]4d^{10}5s^{2}5p^{4}$

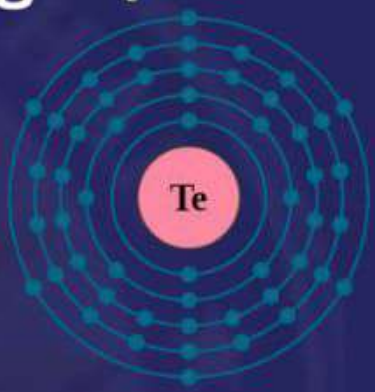

खोज

1782,म्यूलर वॉन

भौतिक गुण

चांदी सफेद, दुर्लभ, भंगुर,हल्का विषैला,उप धातु

रासायनिक गुण

HCL में स्थिर पर HNO3 में घुलनशील, अर्धचालक, विधुत का संवाहक

उपयोग

धातु विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा, रबर , सिरेमिक उत्पादन

Anu priya

CLASS 4
EVS

ToB TLM

चिड़ियाघर की सैर

* चिड़ियाघर वह स्थान है जहां पशु-पक्षियों को संरक्षित रखा जाता है।
* चिड़ियाघर एक मनोरंजन का साधन है जहां हम पशु पक्षियों को देख सकते हैं और उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
* वहां लोग उन जानवरों को देखने के लिए अपने बच्चों के साथ जाते हैं।
* चिड़ियाघर में प्रवेश करने के लिए टिकट भी लगता है।
* चिड़ियाघर में जाने पर हमें सुरक्षित रहना पड़ता है।
* चिड़ियाघर में यात्रा के दौरान हमारे साथ एक गार्ड भी चलता है जो जानवरों के बारे में जानकारी देता है तथा जानवरों से सुरक्षा भी करता है।

पुनीता कुमारी

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

किरासन तेल पानी पर तैरता है क्यों?

किरासन तेल का घनत्व पानी से कम होता है, अतः किरासन तेल पानी पर तैरता रहता है।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **04.03.2025**

वर्णनात्मक विधि

वर्णनात्मक विधि, किसी घटना, स्थिति, या जनसंख्या का वर्णन करने के लिए डेटा इकट्ठा करने की एक शोध पद्धति है. इसे वर्णनात्मक शोध या वर्णनात्मक डिजाइन भी कहा जाता है. इस विधि में, शोधकर्ता किसी घटना या स्थिति का वर्णन करने के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों तरह के डेटा का इस्तेमाल करता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

ICC Champions Trophy 2025 में चारों सेमीफाइनिलस्ट का फैसला हो गया है। न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीका टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

बिहार दिवस विशेष

04 मार्च

आइए, अपने बिहार को जाने !

01 मार्च से 22 मार्च

नीतीश कुमार
बिहार के मुख्यमंत्री

आरिफ़ मोहम्मद ख़ान
बिहार के राज्यपाल

7. बिहार में सबसे अधिक आबादी वाला जिला पटना है, जबकि सबसे कम आबादी वाला जिला शेखपुरा है।

8. सबसे अधिक दशक वार जनसंख्या वृद्धि दर वाला जिला मधेपुरा है, जो **31.12%** है, और सबसे कम दशक वार वृद्धि दर वाला जिला गोपालगंज है, जो **19.02%** है।

राकेश कुमार

TOB

खेल कॉर्नर

वनडे में सबसे तेज 14 हजार रन

1	विराट कोहली भारत		287 इनिंग
2	सचिन तेंदुलकर भारत		350 इनिंग
3	कुमार संगाकारा श्रीलंका		378 इनिंग

ToB Photo of the day

म०वि० मधुरापुर बालक नारायणपुर, भागलपुर

म०वि०जगदीशपुर, भागलपुर

उ०म०वि०सिलौटा, भभुआ, कैमूर

प्रा०वि०झनकी, घोसवरी, पटना

संकलनकर्ता- पुष्पा प्रसाद

पुण्यतिथि पर नमन।

लाला हरदयाल

जन्म 14 अक्टूबर 1884
मृत्यु 4 मार्च 1939

M.priya

/teachersofbihar

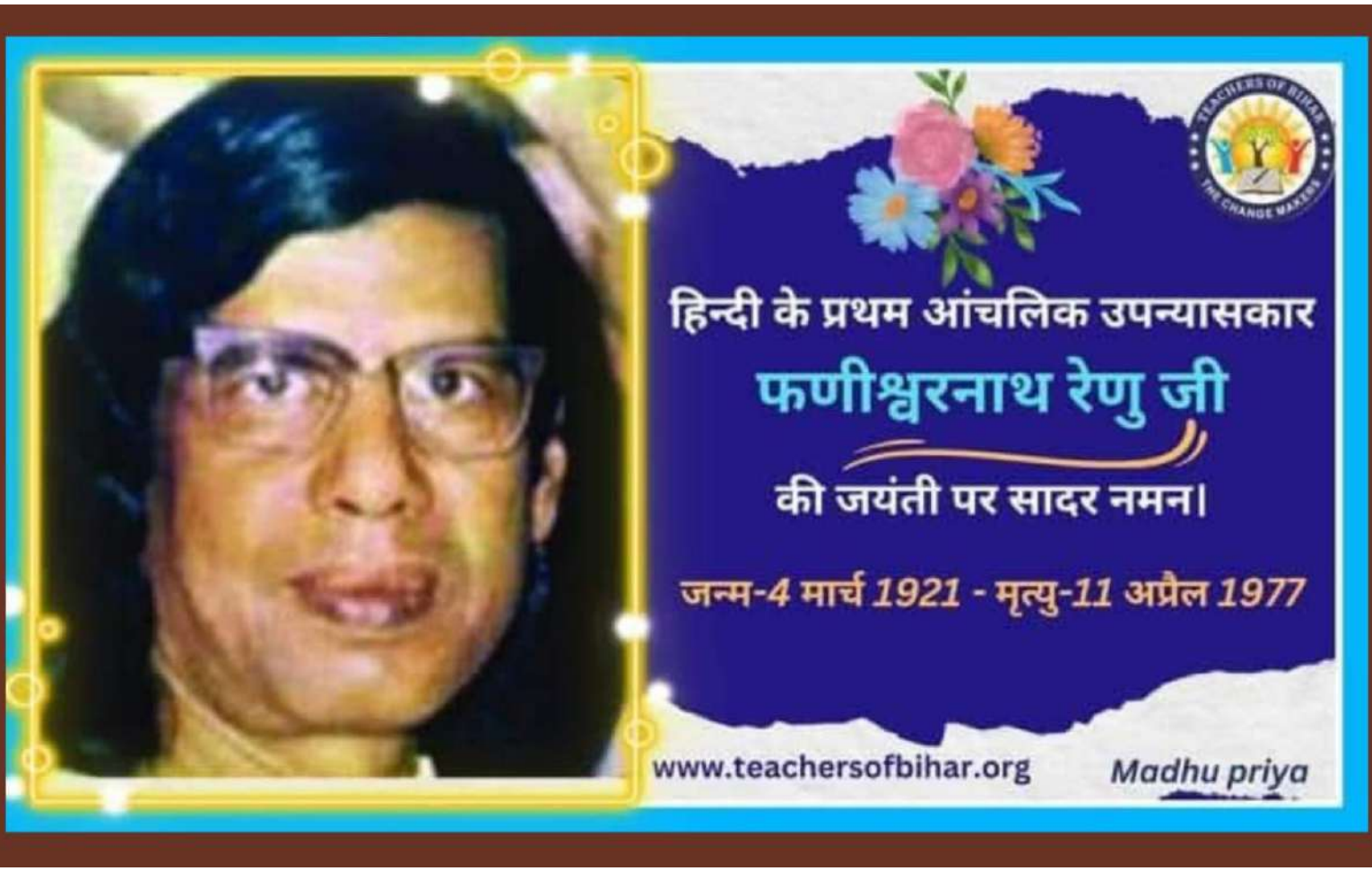
हिन्दी के प्रथम आंचलिक उपन्यासकार
फणीश्वरनाथ रेणु जी
की जयंती पर सादर नमन।
जन्म-4 मार्च 1921 - मृत्यु-11 अप्रैल 1977
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

4 मार्च

देशवासियों को
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

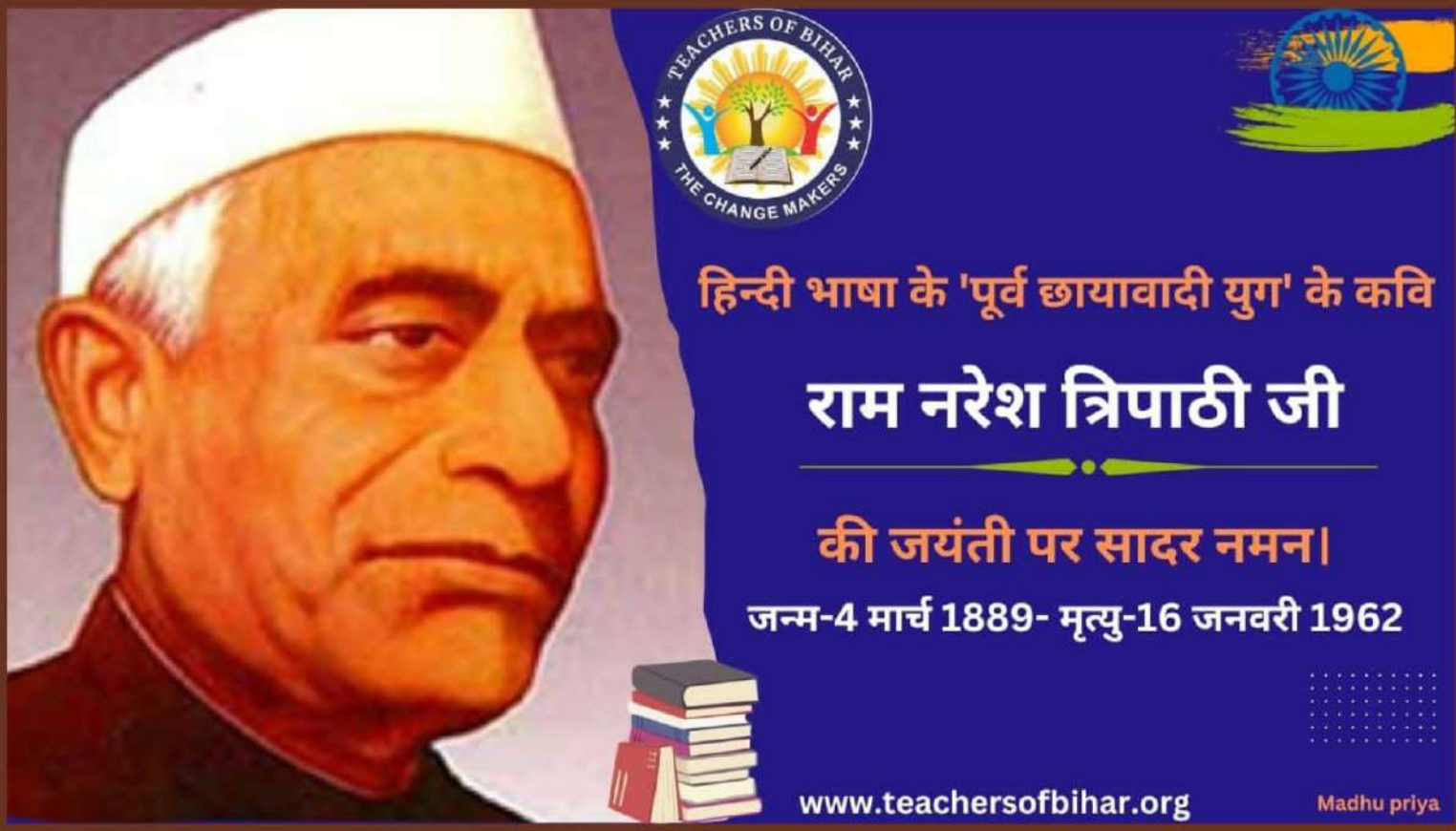
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
हिन्दी भाषा के 'पूर्व छायावादी युग' के कवि
राम नरेश त्रिपाठी जी
की जयंती पर सादर नमन।
जन्म-4 मार्च 1889- मृत्यु-16 जनवरी 1962
www.teachersofbihar.org
Madhu priya